केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

School of Languages and Comparative Literature
Department of Hindi and Comparative Literature

[redacted]

[redacted]

Syllabus

P.G. Diploma course in Translation and office Procedure

Admission Year 2021 Onwards

पाठ्यक्रम समिति
पी.जी.अनुवाद डिप्लोमा और कार्यालयीन कार्य-पद्धति

पाठ्यक्रम समिति :

01	डॉ.तारु एस.पवार	उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	अध्यक्ष
02	प्रो. सुधा बालकृष्णन	आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
03	डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
04	डॉ. शलिनी एम.	सहायक आचार्य, अँग्रेजी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
05	डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल	डायरेक्टर जनरल, वैश्विक हिन्दी शोध संस्थान, देहरादून	सदस्य
06	प्रो. (डॉ.) जयचन्द्रन आर.	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	सदस्य
07	प्रो. (डॉ.) शांति नायर	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
08	डॉ. सुमा रोडनवर	उपाचार्य एवं पी. जी. संयोजक, हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय कॉलेज मंगलोर, कर्नाटक	सदस्य

Syllabus Committee
P.G.Diploma (Translation and office Procedure)

Syllabus Committee :

01	Dr. Taru S. Pawar	Associate Professor & Head, Department of Hindi, CUK.	Chairperson
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Assistant Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
04	Dr. Shalini M	Assistant Professor, Department of English, CUK.	Member
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Director General, Global Hindi Research Institute, Dehradun.	Member
06	Prof. (Dr.) Jayachandran R.	Professor & Head, Department of Hindi, Kerala University, Kerala	Member
07	Prof. (Dr.) Shanti Nair	Professor & Head, Deaprtment of Hindi, Sree Sankarachayaya University of Sanskrit, Kalady, Kerala.	Member
08	Dr. Suma T. Rodanvar	Associate Professor & P.G. Co-ordinator, Department of Hindi, University College, Mangalore, Karanataka.	Member

पाठ्यक्रम (Syllabus)

पी.जी.अनुवाद डिप्लोमा और कार्यालयीन कार्य-पद्धति

P.G. Diploma course in TranslationandofficeProcedure

Code	पाठ्यक्रम व विषयवस्तु	L	T	P	C
	आधारभूत पाठ्यक्रम				20
LTO 4101	**अनुवाद - सिद्धांत और प्रयोग**	3	1		4
LTO410 2	**अनुवाद का अनुप्रयुक्त /साहित्यिकएवं साहित्येतर / व्यवहारिक पक्ष**	3	1		4
LTO4 201	**अनुवाद : हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी**	3	1		4
LTO4 202	**मशीनी अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी**	3	1		4
LTO4 203	**लघु-शोध प्रबंध एवं मौखिक परीक्षा**				4

स्नातकोत्तर अनुवादडिप्लोमा और कार्यालयीन कार्य–पद्धति (Post-Graduate Diploma course in TranslationandofficeProcedure)

प्रोग्रामपरिचय(ProgrammeIntroduction) :

किसी भाषा में कही या लिखी गयी बात को किसी दूसरी भाषा में सार्थक परिवर्तन अनुवाद कहलाता है। अनुवाद का कार्य बहुत पुराने समय से होता आ रहा है। अनुवाद के लिए 'भाषांतर' और 'रूपांतर' का प्रयोग भी किया जाता रहा है लेकिन अब इन दोनों ही शब्दों के लिए नए अर्थ और उपयोग प्रचलित हैं।

अनुवाद का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। अनुवाद का महत्व व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई पड़ता है। सामाजिक एवं व्यावहारिक रूप में, शैक्षणिक ज्ञानात्मक रूप में (साधन रूप में, साध्य रूप में)। इस प्रकार किसी भाषा के विकास के लिए भी अनुवाद-व्यापार का आश्रय लिया जाता है। जब किसी भाषा को ऐसे व्यवहार – क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिलता है, जिनमें पहले उसका प्रयोग नही होता था, तब उसे विषयवस्तु और अभिव्यक्ति पद्धति दोनों ही दृष्टियों से विकसित करने की आवश्यकता होती है। अनुवाद (अपनी प्रकृति से) असम्भव होते हुए भी (सामाजिक दृष्टि से) आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है। आज के भूमंडलीकृत युग में हिंदी का महत्व बढ़ता चला जा रहा है। सरकारी कार्यालय, अर्द्ध सरकारी कार्यालय, बैंकों, निगमित क्षेत्रों, शिक्षण संस्थानों आदि में अनुवाद की मांग बढ़ रही है। जिसके तहत हिंदी अनुवाद का अनुप्रयोग भी बढ़ रहा है। अतः उपरोक्त क्षेत्रों में हिंदी का सफल कार्यान्वयन के लिए हिंदी अनुवाद और कार्यालय कार्यपद्धति डिप्लोमा कोर्स चलाया जा रहा है।

प्रोग्राम उपादेयता (Programme Outcome) :

आज हिंदी का विस्तार अनुवाद के माध्यम से हो रहा है। अनुवाद के माध्यम से संस्कृति के विकास का मार्ग छात्रों को दिखा देना और अनुवाद के जरिए हिंदी को और हिंदी के माध्यम से अन्य भाषाओँ के बीच भाईचारा बढ़ाना ही यहाँ उद्देश्य है। अनुवाद में अभिरुचि बढ़ाकर उदीयमान पीढ़ी को अनुवाद के क्षेत्र में कदम रखने का प्रशिक्षण देना। भारत सरकार के उद्यम और उपक्रमों में रोजगारी पाने के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।

LTO 4101–अनुवाद – सिद्धान्त और प्रयोग

Course Code	LTO 4101	Semester	I(First)
Name of Course	**अनुवाद - सिद्धांत और प्रयोग**(Anuvad – SiddhantAurPrayog)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

अनुवाद के सिद्वांत के अध्ययन से ही अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष को समझा जा सकता है। अनुवाद की परिभाषा, स्वरुप, प्रकार, प्रक्रिया, उपकरण को समझने के साथ-साथ अनुवादक की चुनौतियों का भी परिचय इस पाठ्यक्रम के माध्यम से होगा। भावनाप्रधान साहित्य और सूच्नाप्रधन साहित्य के अंतर को समझते हुए स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की भिन्नता से उत्पन्न समस्याएं जैसे भाषिक – संरचनात्मक एवं शैलीगत, वाक्यबद्ध परक, सांस्कृतिक शब्दों तथा भाषिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ– इन मुद्दों पर सैद्वान्तिक दृष्टि से अध्ययन होगा।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद के माध्यम से संस्कृति के विकास का मार्ग छात्रों को दिखा देना।
- अनुवाद के माध्यम से भाषाओँ के बीच भाईचारा बढ़ाना।
- सैद्वांतिक पक्ष को समझने से ही व्यवहारिक अनुवाद में दक्षता प्राप्त होगी।
- भविष्य के अनुवादकों को तैयार करना।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई-एक

1. अनुवाद : परिभाषा, स्वरुप और प्रकार
2. अनुवाद : कला, विज्ञान अथवा शिल्प
3. अनुवाद की सहायक सामग्री एवं उपकरण
4. अनुवाद की प्रक्रिया और अनुवाद के गुण
5. अनुवाद की उपादेयता

इकाई-दो

6. स्रोत और लक्ष्य भाषा की भिन्याताजन्य समस्याएँ :
   क) भाषिक – संरचनात्मक एवं शैलीगत

इकाई-तीन

ख) वाक्यबद्ध परक
- संवादों के अनुवाद की समस्याएँ
- विवरण के अनुवाद की समस्याएँ
- भाषण के अनुवाद की समस्याएँ
- साक्षात्कार के अनुवाद की समस्याएँ
- वार्ता के अनुवाद की समस्याएँ

इकाई-चार

ग) सांस्कृतिक शब्दों तथा भाषिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ
- सांस्कृतिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ
- मिथकीय / भाषाई अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ
- मुहावरों के अनुवाद की समस्याएँ

लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LTO 4102– अनुवाद का अनुप्रयुक्त / साहित्यिक एवं साहित्येतर / व्यवहारिक पक्ष

Course Code	LTO 4102	Semester	I(First)
Name of Course	**अनुवाद का अनुप्रयुक्त /साहित्यिक एवं साहित्येतर / व्यवहारिक पक्ष (AnuvadKaAnuprayukt/SahityikEvamSahityetar/VyavharikPaksh)**		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

अनुवाद के सिद्धांत के बाहर भी बहुत सारी बातें समझनी हैं। यह अध्ययन, अभ्यास और अनुवादकों के संपर्क के साथ ही संभव है। साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद को समझते हुए प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से परिचय इस पाठ्यक्रम में होगा। पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षत्र में अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद, व्यावसायिक अनुवाद पर विस्तृत विवेचन होगा। साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद में रूबरू होते समस्यायों को समझकर उसके समाधान का प्रयास करना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद के विविध समस्यायों को समझकर उसका समाधान ढूंढ निकलने में सक्षम करना।
- साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद के अंतर को स्पष्ट समझकर आवश्यकतानुसार अनुवाद कार्य करने में प्रवीणता हासिल करना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियों से परिचित होने से व्यवहारिक अनुवाद में सहायता मिलेगी।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई-एक

1 साहित्यिक अनुवाद एवं समाजशास्त्रीय अनुवाद

2 प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद

क) प्रयोजनमूलक भाषा : अवधारणा और अर्थ

ख) प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की संकल्पना
ग) हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियों का संक्षिप्त परिचय

3. पत्रकारिता एवं अनुवाद

क) समाचार सन्दर्भ
ख) समाचारों के अनुवाद का पक्ष
ग) विज्ञापन, खेलकूद समाचार तथा फिल्म सम्बन्धी सामग्री का अनुवाद

इकाई-दो

4. वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रयोजनमूलक अनुवाद

क) विज्ञानं एवं विशेष भाषाई क्षेत्र

ख) वैज्ञानिक लेखन की तथ्यपरता और अनुवाद
ग) वैज्ञानिक विषयों का क्षेत्र
घ) विज्ञान की विशिष्ट भाषा

इकाई-तीन

5. व्यावसायिक और कार्यालयी अनुवाद

क) व्यावसायिक अनुवाद
i. बैंक के पत्रों – प्रपत्रों का अनुवाद
ii. बैंकिंग शब्दावली
ख) कार्यालयी अनुवाद
i. प्रशासन का क्षेत्र
ii. कार्यालय का स्वरुप
iii. प्रपत्रों का अनुवाद (आदेश, अनुदेश, ज्ञापन, विज्ञप्ति)
iv. प्रशासनिक पदनाम और अनुवाद
v. कार्यालय के पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
vi. कार्यालयी अभिव्यक्तियों का अनुवाद

इकाई-चार

6. साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ
क) नाटक के संवादों के अनुवाद की समज्भाषिक समस्याएँ
ख) कथासाहित्य के अनुवादों में आंचलिक भाषा के अनुवाद की समस्याएँ
ग) कविता के अनुवादों की समस्याएँ

7. साहित्येत्तर अनुवाद की समस्याएँ
क) मशीनी अनुवाद की समस्याएँ

ख) आशु अनुवाद की समस्याएँ
ग) पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ

लिप्यंतरण की समस्याएँ

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LTO 4201– अनुवाद : हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी

Course Code	LTO 4201	Semester	II(Second)
Name of Course	**अनुवाद : हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी (Anuvad : Hindi to English & English to Hindi)**		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

विभिन्न विषयों का हिन्दी में अनुवाद- साहित्य, कविता, एकांकी, कहानी, खेल-समाचार, फिल्म रिव्यू, वैज्ञानिक लेख, इतिहासपरक लेख, राजनैतिक लेख, समाजशास्त्रीय लेख – करवाकर अभ्यास करवाना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। इन विभिन्न विषयों के भाषागत एवं शैलीगत विशेषताओं को समझकर उनका अनुवाद करवाना और प्रशिक्षण द्वारा अनुवाद में निपुण बनाना। पारिभाषिक शब्दावली और अभिव्यक्तियां का प्रयोग आज कार्यालयों में बढ़ता जा रहा है जिसका परिचय विस्तृत रूप में यहाँ दिया जाएगा।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- भाषा की विधागत और भाषागत विशेषताओं को समझने में कुशलता हासिल होगी।
- निरंतर प्रशिक्षण से अनुवाद कार्य में दक्षता हासिल होगी।
- साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद के अंतर को स्पष्ट समझकर आवश्यकतानुसार अनुवाद कार्य करने में प्रवीणता हासिल करना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियों से परिचित होने से व्यवहारिक अनुवाद में सहायता मिलेगी।
- शब्दकोश और संदर्भ ग्रंथों के सहारा न लेकर अनुवाद कार्य में दक्षता दिलाना।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई- एक

विभिन्न विषयों का हिन्दी में अनुवाद- साहित्य, कविता, एकांकी, कहानी

इकाई- दो

खेल-समाचार, फिल्म रिव्यू, वैज्ञानिक लेख

इकाई-तीन

इतिहास परख लेख, राजनैतिक लेख समाजशास्त्रीय लेख

इकाई–चार

पारिभाषिक शब्दावली और अभिव्यक्तियां

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LTO 4202– मशीनी अनुवाद एवं भाषा प्रौद्यौगिकी

Course Code	LTO 4202	Semester	II(Second)
Name of Course	**मशीनी अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकी (MachiniAnuvadAurBhashaPraudyogiki)**		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

मशीनी अनुवाद की गुणवत्ता संतोषप्रद नहीं है लेकिन फिर भी यह उपयोगी सिद्ध हो रहा है। मशीनी अनुवाद से आने वाले दिनों में जो प्रगति हो रही है उसका आकलन किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुवाद का मूल्यांकन अनुवाद प्रक्रिया का प्रमुख अंग है। अनुवाद मूल्यांकन की प्रक्रिया, समस्यायों और आवश्यकता पर विस्तार से अध्ययन अनिवार्य है। अनुवादनीयता के सैद्धांतिक पक्षों और समस्या के समाधान पर भी चर्चा होगी। त्वरित अनुवाद का प्रशिक्षण भी जरूरी है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद का मूल्यांकन करने में कुशलता हासिल होगी।
- साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद के अंतर को स्पष्ट समझकर मूल्यांकन से अनुवाद में प्रवाहमयता आएगी।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई-एक

1. अनुवाद मूल्यांकन की समस्याएँ
   - क) अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद की समीक्षा
   - ख) अनुवाद मूल्यांकन की आवशयकता

इकाई-दो

   - ग) अनुवाद मूल्यांकन की प्रक्रिया
   - घ) अनुवाद मूल्यांकन की समस्याएँ

इकाई-तीन

2. अनुवाद्रीयता की समस्याएँ
   - क) अनुवाद और अनुवादनीयता
   - ख) अनुवादनीयता का सैद्धांतिक पक्ष

इकाई– चार

ग) पूर्ण, आंशिक और शून्य अनूद्यता
घ) अनुवादनीयता की समस्या का संमाधान

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LTO 4203–लघु–शोध प्रबंध एवं मौखिक परीक्षा

Course Code	LTO 4203	Semester	II(Second)
Name of Course	**लघु-शोध प्रबंध एवं मौखिक परीक्षा (LaghuShodhPrabandhAurMaukhikPareeksha)**		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

इसमें किसी साहित्यिक अथवा गैर साहित्यिक विषय से संबंधित कृति का अनुवाद कार्य किया जाएगा। स्रोत भाषा की कृति का चयन कर, उसके पाठ का अध्ययन कर उसकी भाषागत एवं शैलीगत विशेषताओं को समझकर, लक्ष्य भाषा में उसका अनुवाद करना है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त करना।
- दो भाषाओँ का ज्ञान प्राप्त करना।
- दो भाषाओँ के सांस्कृतिक प्रयोगों, संस्कार – परंपरा को जानना-परखना।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

लघु-शोध प्रबंध एवं मौखिक परीक्षा

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40)**
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)**

सन्दर्भ पुस्तक सूची

1. अनुवाद कला कुछ विचार- आनंद प्रकाश खेमानी वेदप्रसाद, यस.चंद एंड कम्पनी
2. अनुवाद-कार्यदक्षता : भारतीय भाषाओँ की समस्याएँ, महेंद्र नाथ दुबे वाणी प्रकाशन
3. अनुवाद की व्यापक संकल्पना दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान – डॉ रविंद्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णा कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
6. लिंगविस्टिक थ्योरी ऑफ़ ट्रांसलेशन – J.CATFORD

7. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – जी गोपीनाथन
8. कार्यालय हिंदी – केन्द्रीय संस्थान आगरा
9. कार्यालय साहित्य – केन्द्रीय हिंदी सचिवालय हिंदी परिषद् नई दिल्ली
10. सरकारी कामकाज हिंदी में –हिंदी प्रचार पुस्तकालय वाराणसी
11. राजभाषा हिंदी के विविध आयाम – डॉ माजिक मोहम्मद
12. व्यापारिक तथा प्रासंगिक पत्र व्यवहार – एन.ई. विश्वनाथ अइयर
13. अनुप्रयुक्त राजभाषा – माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन दिल्ली
14. अनुवाद के भाषिक पक्ष – विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन
15. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन – डॉ रमण सिन्हा, वाणी प्रकाशन दिल्ली
16. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद – माधव सोनटक्के,वाणी प्रकाशन दिल्ली
17. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य – रीता रानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन दिल्ली
18. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
19. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन दिल्ली
20. बोलचाल की हिंदी और संचार – मधु धवन, वाणी प्रकाशन
21. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन
22. व्यावहारिक हिंदी – भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
23. प्रशासनिक हिंदी : ऐतिहासिक सन्दर्भ – डॉ महेशचंद्र गुप्ता, वाणी प्रकाशन
24. प्रशासनिक हिंदी : प्रयोग और संभावनाएं प.प. आंडाल, वाणी प्रकाशन
25. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
26. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन
27. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
28. राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन
29. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना –डॉ आरसु, वाणी प्रकाशन
30. अनुवाद का समकाल : डॉ मोहसिन खान तनहा, लोक भारती प्रकाशन